भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-4989

उत्तर देने की तारीख-23/03/2026

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

†4989. **डॉ. नामदेव किरसान:**

श्री थरानिवेंथन एम. एस.:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत शिक्षकों के लिए उपलब्ध डिजिटल कक्षा अवसंरचना और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रकार की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और सरकार ने किस प्रकार यह सुनिश्चित किया है कि शिक्षक आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से लैस हों;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या का ब्यौरा क्या है और इसका शिक्षण की गुणवत्ता पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपयोग की जाने वाली विषय-वस्तु और पद्धतियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ङ.) क्या समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कोई बजटीय आवंटन किया गया है और उसका उपयोग किया गया है और यदि हां, तो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आवंटित समग्र शिक्षा बजट के हिस्से का ब्यौरा क्या है और क्या गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इन कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण में कोई वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार ने उक्त योजना के अंतर्गत शिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों के अधिगम परिणामों पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (च): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में एक विषय होने के कारण, देश के अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण में आते हैं। शिक्षा मंत्रालय ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश भर में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ाने के लिए समग्र शिक्षा के तहत आईसीटी और डिजिटल पहल को लागू करता है। इन पहलों का उद्देश्य शिक्षण और अधिगम की प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करना है। इन पहलों के तहत, संबंधित राज्य की आवश्यकताओं के अनुसार आईसीटी प्रयोगशालाओं और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने के लिए उनके संबंधित वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) में प्रस्तुत निधियां प्रदान की जाती है।

आज तक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को 1,79,153 आईसीटी प्रयोगशालाओं और 1,76,738 स्मार्ट क्लासरूम स्वीकृत किए गए हैं। वर्ष 2025-26 के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को यूडाईज+ डेटा और परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की बैठकों में अनुमोदित निधियों के आधार पर, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में आईसीटी प्रयोगशालाओं और स्मार्ट क्लासरूम को संतृप्त करने में अंतराल की पहचान की गई थी। इस अंतर को दूर करने के लिए, वर्ष 2025-26 में इन सुविधाओं के संतृप्ति के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 22,618 आईसीटी प्रयोगशालाओं और 29,920 स्मार्ट क्लासरूम को अनुमोदन दिया गया था।

देश भर में शिक्षा तक बहु-प्रकार की पहुंच को सक्षम करने के लिए डिजिटल/ऑनलाइन/ ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करते हुए, आत्मनिर्भर भारत अभियान के भाग के रूप में दिनांक 17 मई, 2020 को पीएम ई-विद्या नामक एक व्यापक पहल शुरू की गई थी। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने अपनी आवश्यकताओं के अनुसार इन पहलों की प्रभावशीलता का उपयोग, निगरानी और मूल्यांकन करने के लिए एनसीईआरटी के साथ सहयोग किया। पीएम ई-विद्या का एक प्रमुख घटक 200 पीएम ई-विद्या डीटीएच टीवी चैनल और 400 रेडियो चैनल हैं ताकि सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कक्षा 1-12 के लिए विभिन्न भारतीय भाषाओं में पूरक शिक्षा प्रदान करने में सक्षम बनाया जा सके।

ज्ञान साझाकरण के लिए डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूल शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री और सभी कक्षाओं एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए क्यूआर कोड वाली एनर्जाइज्ड टेक्स्टबुक्स (ईटीबी) प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल अवसंरचना है। महत्वपूर्ण आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देने और रचनात्मकता हेतु स्थान प्रदान करने के लिए, 614 से अधिक वर्चुअल लैब्स और 100 वर्चुअल स्किल लैब्स (हिंदी और अंग्रेजी में प्रत्येक 50) बनाई गई हैं और दीक्षा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई गई हैं। दीक्षा ऑफलाइन सीमित अथवा बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों का समर्थन करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 की सिफारिशों के अनुरूप समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत शिक्षक प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने का समर्थन किया जाता है। यह योजना राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) के साथ संरेखित पाठ्यक्रम विकास, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों (एससीईआरटी) को सहायता सहित शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टीईआई) को सुदृढ़ करने, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों (डीआईईटी) की क्षमता निर्माण और ब्लॉक संसाधन केंद्रों (बीआरसी) एवं क्लस्टर संसाधन केंद्रों (सीआरसी) के माध्यम से स्कूलों को निरंतर शैक्षणिक सहायता का समर्थन करती है।

राज्य-विशिष्ट प्रस्तावों के आधार पर, प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों पर नए भर्ती शिक्षकों सहित ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षकों, स्कूल प्रमुखों, शिक्षक प्रशिक्षकों, मास्टर प्रशिक्षकों, संसाधन व्यक्तियों और शिक्षा प्रशासकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम नोडल एजेंसियों के रूप में एससीईआरटी और डीआईईटी के माध्यम से कार्यान्वित किए जाते हैं। समग्र शिक्षा के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) के भाग के रूप में शिक्षक प्रशिक्षण के लिए निधियां अनुमोदित की जाती है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अनुमोदित निधियां वर्ष 2023-24 में ₹41,063.11 लाख, वर्ष 2024-25 में 63,943.50 लाख रुपए और वर्ष 2025-26 में 72,456.26 लाख रुपए है, जो शिक्षक क्षमता निर्माण की ओर आवंटन में प्रगतिशील वृद्धि का संकेत देता है। (स्रोतः प्रबंध)

समग्र शिक्षा के तहत डिजिटल शिक्षा के लिए शिक्षक क्षमता निर्माण को दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से सहायता की जा रही है, जो ई-सामग्री और डिजिटल शिक्षण संसाधन प्रदान करता है। विभाग ने निष्ठा (राष्ट्रीय स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति पहल) को दीक्षा पर एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में भी लागू किया है, जिसमें शिक्षण और अधिगम में आईसीटी तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित मॉड्यूल शामिल हैं। इसके अलावा, एनसीईआरटी, एससीईआरटी, डीआईईटी, बीआरसी और सीआरसी डिजिटल शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी को सुदृढ़ करने के लिए संसाधन सामग्री, डिजिटल सामग्री, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं का विकास करते हैं। आज तक, सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और केंद्रीय संगठनों में कुल मिलाकर 63 लाख से अधिक शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों ने निश्ठा के माध्यम से सतत व्यावसायिक विकास किया है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपयोग की जाने वाली सामग्री और कार्यप्रणाली एनईपी 2020 के प्रावधानों के अनुरूप हैं और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र, अनुभवात्मक शिक्षण, योग्यता-आधारित मूल्यांकन और समावेशी शिक्षा प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इन कार्यक्रमों को एनसीईआरटी और अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा तैयार किया गया है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी आवश्यकताओं के अनुसार प्रासंगिक बनाया गया है।

ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षकों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, प्रशिक्षण ऑनलाइन और आमने-सामने दोनों माध्यमों से दिया जाता है, जो

व्यापक पहुंच को सक्षम करने के लिए एससीईआरटी, डीआईईटी, बीआरसी और सीआरसी जैसे विकेंद्रीकृत शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म द्वारा समर्थित है।

इसके अलावा, सरकार ने चरणबद्ध तरीके से समग्र शिक्षा के तहत सभी कार्यात्मक डीआईईटी को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। तदनुसार, शिक्षक प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहायता के लिए संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2023-24 में 125 डीआईईटी और वित्त वर्ष 2025-26 में 121 डीआईईटी के उन्नयन के लिए वित्तीय सहायता अनुमोदित की गई है।

इसके अलावा, एनईपी 2020 के अनुसरण में, सरकार ने शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) और राष्ट्रीय मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) पर ब्लूबुक जारी की है, जो शिक्षक दक्षताओं को परिभाषित करती हैं और सेवाकालीन शिक्षकों के मार्गदर्शन के लिए एक ढांचा प्रदान करती हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने प्री-सर्विस शिक्षकों के लिए शिक्षा में 4 वर्षीय एकीकृत दोहरे प्रमुख स्नातक डिग्री के साथ-साथ कला, विज्ञान, शारीरिक शिक्षा आदि में एक विशेष विषय के रूप में आईटीईपी को अधिसूचित किया है। शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन प्रक्रियाओं में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए डिजिटल रूप से साक्षर और कुशल होना आईटीईपी के तहत सभी छात्र-शिक्षकों द्वारा विकसित की जाने वाली क्षमताओं में से एक है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव की निगरानी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पूर्व और बाद के मूल्यांकन, प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया, कक्षा अवलोकन और बड़े पैमाने पर आकलन जैसे तंत्रों के माध्यम से की जाती है, जैसे कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण (अंतिम दिसंबर 2024 में आयोजित किया गया था), जो शिक्षण पद्धतियों और अधिगम परिणामों में सुधार का आकलन करने में सहायता करता है।

*****